New Laxmi
Engg. & Trolly Works
engineering that speaks

ISO 9001:2015 Certified Company

JAS-ANZ
ISO 9001:2015
CERTIFIED

DRILLING DUST RESCUE DEVICE

ड्रिलिंग डस्ट बचाव यन्त्र

मशीन का कार्य सिद्धान्त

पर्यायवरण को ध्यान में रखते हुए न्यू लक्ष्मी इंजीनियरिंग एंड ट्राली वर्क्स के मैनेजिंग डायरेक्टर **श्री जीवाराम जांगिड़** और एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर **श्री एस. के. परिहार** ने तैयार की ऐसी ड्रिलिंग पद्धति जो बिना पानी और डस्ट रहित है जिससे मजदूरो को किसी बीमारी का खतरा नही. ड्रिलिंग डस्ट बचाव यन्त्र उसी कंप्रेसर ट्राली पर स्थापित किया जा सकता है जिस पर जैक हैमर हेतु कंप्रेसर लगा होता है। उसी कंप्रेसर से उपकरण को भी पावर मिलती रहती है यानी उपकरण के लिए पृथक से ट्रेक्टर की जरूरत नही होगी। यह उपकरण ड्रिलिंग से उत्पन्न डस्ट को खींच फ़िल्टर पद्धत्ति से हवा से अलग करके एकत्रित करता है और फिर परिशोधित हवा को वातावरण मैं छोड़ देता है।

मानव शरीर के लिए ड्रिलिंग धूल का प्रभाव

जैक हैमर से ड्रिलिंग करते समय धुल एवं डस्ट उत्पन्न होती है। यह डस्ट कार्य करने वाले मजदूरो के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। जो की स्वास के साथ अंदर जाकर **फेफड़े व् शरीर** के अन्य भाग में पहुच जाती है। और लंबे समय तक कार्य करने वाले मजदूरो को **सिलिकोसिस** जैसी गंभीर बीमारी से गुजरना पड़ता है जिससे मृत्यु और आयु घटना तय है।

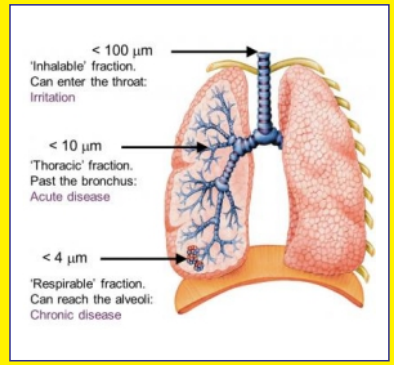

विशेषताएं

- संक्षिप्त परिरूप
- शानदार प्रदर्शन व इस्तेमाल में आसान
- रिमूवेबल ट्रे
- बाहरी ट्रे में धूल इकट्ठा करना
- डस्ट को हवा से अलग करना
- 15 मीटर से ज्यादा दूरी से डस्ट को खींचना
- कम कीमत पर फिल्टर प्रतिस्थापन

तकनीकी विनिर्देश

- 5 माइक्रोन से छोटे धूल कण फ़िल्टर से बाहर नही आ सकते है।
- पंखे द्वारा धूल कण रहित हवा वातावरण में छोड़ी जाती है जो की डी.जी.एम्.एस. की बताई गयी लिमिट के अंदर है।

Rajasthan Patrika Dated 22 Dec 2016

खनन की जानलेवा डस्ट से मिलेगी राहत

शहर के उद्यमी ने इजाद किया ड्रिलिंग डस्ट से बचाव यंत्र

लाखों श्रमिकों को हो सकता है फायदा, राजस्थान में 5344 श्रमिक सिलिकोसिस से ग्रस्त

एक्सपोज रिपोर्टर
xpose.jodhpur@in.patrika.com

जोधपुर. भारत ही नहीं विश्वभर में जोधपुरी पत्थर की अपनी अलग ही पहचान है, लेकिन खान से पत्थर निकालने में श्रमिकों की जिन्दगी दांव पर लग जाती है। खनन के लिए काम में ली जाने ड्रिलिंग से जो डस्ट निकलती है, वह सांस के साथ फेफड़ों में जाकर श्रमिकों को सिलिकोसिस नामक घातक बीमारी से ग्रस्त कर देती है। इससे निजात दिलाने के लिए जोधपुर के एक उद्यमी ने खनन विभाग के इंजीनियर तथा तकनीकी विशेषज्ञ के साथ मिलकर ड्रिलिंग डस्ट से बचाव यंत्र का इजाद किया है। दावा है कि इसके उपयोग से खान मजदूरों को डस्ट की घातकता से राहत मिलेगी।

कम्प्रेसर ट्रॉली पर हो सकेगी स्थापित

जिले में सैण्ड स्टोन की 14 हजार से अधिक खानें हैं। इनमें लाखों श्रमिक काम करते हैं। वर्तमान में कम्प्रेस्ड एयर चालित जैक हैमर से ड्रिलिंग की जाती है। इससे धूल व डस्ट उत्पन्न होती है। इस डस्ट से निजात पाने के लिए एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में खनन विभाग के प्रोफेसर एसके परिहार व तकनीकी विशेषज्ञ राजीव शर्मा ने न्यू लक्ष्मी इंजीनियरिंग व ट्रॉली वर्क्स के जीवाराम जांगिड़ के साथ मिलकर डस्ट को एकत्रित करने का उपकरण तैयार किया है। इसे उसी कम्प्रेसर ट्रॉली पर स्थापित किया जा सकता है, जिस पर जैक व हैमर लगा हुआ होता है। उसी कम्प्रेसर से उपकरण को भी पावर मिलती रहती है। यानी उपकरण के लिए पृथक से ट्रैक्टर की जरूरत नहीं होगी। यह उपकरण ड्रिलिंग से उत्पन्न डस्ट खींच फिल्टर प्रद्धति से हवा से अलग करके एकत्रित करता है। फिर परिशोधित हवा को वातावरण में छोड़ दिया जाता है।

Registered Office & Factory
Plot No. 9-12, Main Pal Road, Jodhpur (Raj) India
9414129315, 9982992222, 9414195754 0291 2435908, 2766615
newlaxmi@gmail.com www.bunk-house.com

Unit2
Plot No.1-3,40 &41, Khasra No.188, Narnadi, Jodhpur (Rajasthan) India

New Laxmi
Engg. & Trolly Works
engineering that speaks